Punjab Kesari

डीडीए बढ़ाएगा दिल्ली की हरियाली करेगा पर्यावरण का संरक्षण

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली में पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए डीडीए कई परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार की जा रही है। इसके लिए उद्यान विभाग तेजी से काम कर रहा है। डीडीए सेंट्रल रिज क्षेत्र का इको-रिस्टोरेशन (पर्यावरण पुनर्स्थापन) करेगा। इससे क्षेत्र की जैव विविधता को संरक्षित रखा जाएगा। इसके लिए डीडीए के उद्यान विभाग की तरफ से निविदा जारी की गई है। परियोजना के तहत मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार, पौधारोपण और झाड़ियों को हटाने जैसे कार्य किए जाएंगे। इसके लिए करीब 28 लाख का बजट निर्धारित किया गया है। काम को पूरा करने के लिए छह महीने का समय तय किया गया है। दिल्ली 1497 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल में फैला हुआ है और देश के सबसे हरे-भरे महानगरों में से एक है। भारत के पहले शहरी विकास प्राधिकरण डीडीए ने क्षेत्रीय पार्कों, जिला पार्कों, ग्रीन बेल्ट और पड़ोस के हरित क्षेत्रों आदि के रूप में खुले स्थानों के विकास के लिए उल्लेखनीय प्रयास करते हुए, शहर के हरित क्षेत्रों के समग्र विकास और प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सेंट्रल रिज क्षेत्र की मिट्टी की गुणवत्ता में किया जाएगा सुधार

Hindustan

काम की खबरें

1

डीडीए के पुस्तकालय में पंजीकरण का मौका

डीडीए के आरंभ पुस्तकालय में छात्र पंजीकरण कर सकते हैं। इसमें छात्रों को शिफ्ट के अनुसार किताबों को पढ़ने और प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए अवसर मिलेगा। डीडीए वेबसाइट dda.gov.in में जाकर आवेदन कर सकते हैं।

Dainik Bhaskar

सेंट्रल रिज में हरियाली बढ़ाएगा डीडीए

नई दिल्ली। दिल्ली में पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए डीडीए सेंट्रल रिज क्षेत्र का इको-रिस्टोरेशन (पर्यावरण पुनर्स्थापन) करेगा। इससे क्षेत्र की जैव विविधता को संरक्षित रखा जाएगा। इसके लिए डीडीए के उद्यान विभाग की तरफ से निविदा जारी की गई है। परियोजना के तहत मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार, पौधारोपण और झाड़ियों को हटाने जैसे कार्य किए जाएंगे। इसके लिए करीब 28 लाख रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। काम को पूरा करने के लिए छह महीने का समय तय किया गया है। ब्यूरो

THE PIONEER

DDA launches Heritage Week celebrations

PIONEER NEWS SERVICE
New Delhi

The Delhi Development Authority (DDA) will launch its Heritage Week celebrations on Monday at the historic Mehrauli Archaeological Park with the objective of promoting awareness about Delhi's cultural and architectural heritage among citizens, especially the youth.

The DDA's week-long celebration from April 13 to 18 will include a series of activities for students and the public, encouraging participation in heritage appreciation and creative expression, an official statement said.

For the first time, the DDA has tied up with MyGov, which is a citizen engagement platform of the Union Government, for an online photography competition under which participants from across the country have been invited to capture and share the beauty of heritage sites of Mehrauli Archaeological Park and upload them on the MyGov portal. The DDA has also partnered with the

Archaeological Survey of India (ASI) for an exhibition/documentation of conservation efforts taken in the Mehrauli area.

"To connect students with Delhi and its rich heritage, a number of student-centric activities will be organised at the venue on April 15 and 16, including Heritage Walks for students, Dialogue Competition, Story Writing Competition, Sketching and Drawing Competition," the statement said.

To ensure wide participation of schoolchildren, the DDA has written to the Delhi government's Directorate of Education requesting schools to encourage students to take part in these activities. On April 17, a Public Heritage Walk will be organised to allow citizens to explore the rich historical landscape of the park and gain insights into Delhi's architectural legacy.

The celebrations will conclude on April 18, which coincides with International Day for Monuments and Sites, with a prize distribution ceremony, an exhibition of selected works, and a Qawwali Night, providing a cultural finale to the week-long programme.

Through Heritage Week, the DDA aims to foster a deeper connection between citizens and the city's historic spaces while encouraging younger generations to appreciate and preserve Delhi's unique heritage. The restored heritage structures at Mehrauli Archaeological Park were unveiled in October 2023 as part of the Union government's mission to conserve Delhi's rich heritage and its ancient glory, the statement said.

The Mehrauli Archaeological Park boasts restored and conserved heritage structures, including Balban's Tomb. It has landscaping and additional greens in and around restored historic structures.

Vantage points have been created for a mesmerising view of Qutub Minar from the park. Similarly, Quli Khan Tomb has been restored with intricate interior works.

The monuments have been interconnected with pathways, and access has been given to all the 55 heritage structures of the park.

Millennium Post

DDA PLANS WK-LONG HERITAGE EVENTS IN MEHRAULI ARCHAEOLOGICAL PARK

NEW DELHI: The Delhi Development Authority (DDA) will organise a week-long Heritage Week from April 13 to 18 at Mehrauli Archaeological Park to promote awareness of the city's cultural legacy. The event will include heritage walks, along with student competitions in dialogue, story writing and sketching on April 15 and 16. A public heritage walk is scheduled for April 17. DDA has partnered with MyGov for an online photography contest and with the Archaeological Survey of India for a conservation exhibition. The programme will conclude on April 18 with a cultural event.

Hindustan

डीडीए की ऑनलाइन फोटोग्राफी स्पर्धा शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने महरौली पुरातात्विक पार्क में हेरिटेज वीक के तहत ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता शुरू की है। इसका उद्देश्य युवाओं में दिल्ली की सांस्कृतिक और स्थापत्य विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। पहली बार डीडीए ने 'माई जीओवी' प्लेटफॉर्म के साथ साझेदारी की है। प्रतिभागी पार्क के ऐतिहासिक स्थलों की तस्वीरें लेकर पोर्टल पर साझा कर सकते हैं। देशभर के लोगों को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

Hindustan Hindi

डीडीए यमुना के डूब क्षेत्र में कई पार्क विकसित करेगा

योजना

■ राहुल मानव

नई दिल्ली। यमुना के डूब क्षेत्र को डीडीए पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करेगा। इसे लेकर डीडीए ने कार्य शुरू कर दिया है। योजना के मुताबिक, डीडीए ने डूब क्षेत्र में कई पार्क विकसित किए हैं। कई पार्कों को बनाने का कार्य जारी है।

अब इन पार्कों में नए फव्वारे, फूलों के बगीचे, फूड कोर्ट और अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी। योजना के तहत अब तक डीडीए असिता पूर्व, यमुना वाटिका, यमुना वनस्थली, वासुदेव घाट, मयूर विहार नेचर पार्क जैसे यमुना डूब क्षेत्र के पार्कों को संवार चुका है। डीडीए के अधिकारियों ने बताया कि हमारा उद्देश्य है कि नागरिकों और पर्यटकों को हरित दिल्ली के तहत बेहतर पर्यटन स्थल प्रदान किए जाएं।

ये कदम उठाए जाएंगे

- पार्कों में फूड कोर्ट बनाए जाएंगे, जिससे पर्यटकों को खानपान की बेहतर सुविधा मिल सके।
- पार्कों में बांस की थीम पर आधारित एक मल्टी क्यूजीन फूड कोर्ट बनाने की भी योजना।
- पार्क में कई बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रमों का साल भर में कई बार आयोजन किया जाएगा।
- त्योहारों के अवसर पर पार्कों में विभिन्न मनोरंजन गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा।

हिन्दुस्तान

योजनाओं के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने विभिन्न आवास योजनाओं के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की है। इनमें नागरिक आवास योजना, कर्मयोगी आवास योजना और कड़कड़डूमा की योजनाएं शामिल हैं। इन अधिकारियों की जिम्मेदारी फ्लैट खरीदारों को लोन सुविधा और अन्य जानकारी उपलब्ध कराना है। नागरिक आवास योजना के तहत नरेला में 1944 एलआईजी फ्लैट उपलब्ध हैं। इच्छुक लोगों को मौके पर ही पूरी जानकारी दी जाएगी।

Millennium Post

Heritage Week draws students at Mehrauli

ANAMTA FATIMA

NEW DELHI: Over 120 students from five schools participated in Heritage Week activities organised by the Delhi Development Authority (DDA) at Mehrauli Archaeological Park on April 15, 2026. The initiative aimed to promote awareness of heritage, history, and conservation through interactive, student-centric programmes.

Competitions including dialogue, story writing, and sketching and drawing provided students with an outdoor learning experience, encouraging them to engage directly with Delhi's cultural legacy. The DDA said such activities help deepen understanding beyond classroom learning by fostering creativity and critical thinking.

Such activities help deepen understanding beyond classroom learning: DDA

The same set of competitions will continue on April 16 to enable wider participation. The week-long celebrations, running from April 13 to 18, also feature heritage walks, exhibitions, and an online photography contest in collaboration with MyGov.

A public heritage walk is scheduled for April 17, while the programme will conclude on April 18 World Heritage Day with a prize distribution ceremony, exhibition of entries, and a cultural evening featuring a Qawwali performance.

Navbharat Times

महरौली पार्क में हेरिटेज वीक, 120 स्टूडेंट्स पहुंचे

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : महरौली आर्कियोलॉजिकल पार्क में डीडीए के हेरिटेज वीक के महत विभिन्न प्रतियोगिताओं में बुधवार को स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। स्टूडेंट्स और विरासत के बीच सार्थक जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए स्टूडेंट्स से जुड़ी गतविधियां आयोजित की गई। पांच सरकारी और निजी स्कूलों के 120 से अधिक स्टूडेंट्स ने भाग लिया। संवाद प्रतियोगिता, कहानी लेखन प्रतियोगिता और स्केच व ड्रॉइंग प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। 13 से 18 अप्रैल तक चलने वाले समारोह में विरासत वॉक, जन सहभागिता गतिविधियां, प्रदर्शनियां और भारत सरकार के नागरिक सहभागिता मंच मायगॉव (MyGov) के सहयोग से फोटोग्राफी प्रतियोगिता भी शामिल है। 17 को विरासत वॉक का आयोजन किया जाएगा। यह समारोह 18 अप्रैल को अंतर्राष्ट्रीय स्मारक व स्थल दिवस के साथ समाप्त होगा।

Hindustan Hindi

कुछ अलग | डीडीए के कमला नेहरू रिज में देश का पहला बंदररोधी उद्यान बना, वर्ष 2022 में विशेषज्ञों की देखरेख में निर्माण किया गया था

रिज में बनाया गया नया बसेरा तितलियों को रिझा रहा

नई दिल्ली। तितलियों के संरक्षण की अनूठी पहल को सफलता मिली है। डीडीए के कमला नेहरू रिज में बनाए गए देश के पहले बंदररोधी तितली उद्यान में अब तक तितलियों की 62 प्रजातियां पाई गई हैं।

विधानसभा और सिविल लाइंस जैसे मुख्य स्थलों के बीच स्थित कमला नेहरू रिज में जंगल के संरक्षण का प्रयास लगभग 25 साल से किया जा रहा है। प्रकृति के साथ-साथ ऐतिहासिक धरोहरों के लिए भी इस स्थान को जाना जाता है। शहर के बीचोबीच स्थित इस जंगल में बंदरों की बहुत बड़ी तादाद है। अनुमान है कि लगभग सवा तीन सौ एकड़ के जंगल में पांच हजार से ज्यादा बंदर हैं। ये पेड़ों को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। इसके चलते नए पौधों को लगाना हमेशा ही चुनौतीपूर्ण बना रहता है। इसको देखते हुए वर्ष 2022 में यहां पर देश के पहले बंदर रोधी तितली उद्यान की शुरुआत की। इसको इस प्रकार से डिजाइन किया गया है कि इसमें से तितलियां और पक्षी तो आ-जा सकते हैं, लेकिन बंदर या अन्य बड़े जानवर इसके अंदर प्रवेश नहीं कर सकते हैं।

62
प्रजातियां पाई गईं तितली उद्यान में अब तक

डीडीए के कमला नेहरू रिज स्थित पार्क में तितलियां। • हिन्दुस्तान

पर्यावरण के लिए अहम

तितलियों को किसी भी पर्यावरण के स्वास्थ्य का सूचक माना जाता है। तितलिया और मधुमक्खियां परागण करके पेड़-पौधों की प्रजाति को आगे बढ़ातीं हैं। इस उद्यान के निर्माण से पहले विशेषज्ञों ने अध्ययन किया था। इसी के चलते तितली संरक्षणालय में लोहे की जाली लगाई गई है। इसकी चौड़ाई इस प्रकार रखी गई है कि तितलियां बिना किसी बाधा के आ-जा सकती है।

> वनों के संवर्धन के लिए परागण करने वाले मधुमक्खी और तितली जैसे कीटों की बड़ी संख्या आवश्यक होती है। इस तितली कंजरवेटरी के जरिए वनों के संवर्धन का एक उदाहरण रखने का प्रयास किया गया है।
>
> – फैयाज ए खुदसर, वैज्ञानिक प्रमुख, डीडीए जैव विविधता पार्क कार्यक्रम

चुनिंदा पौधे-वनस्पतियां लगाई: वन्यजीव विज्ञानी हरमीक सिंह ने बताया तितलियां कुछ विशेष पेड़-पौधों पर अंडे देती हैं, जिन्हें होस्ट प्लांट कहा जाता है। जबकि, कुछ चुनिंदा पौधों से वे मकरंद ग्रहण करती हैं। इन्हें नेक्टर प्लांट कहा जाता है। तितली संरक्षणालय में कुल 56 प्रजाति के होस्ट प्लांट और 15 प्रकार के नेक्टर प्लांट लगाए गए हैं।

3

दो मई से 14 जून तक थिएटर वर्कशॉप

डीडीए और राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय मिलकर बांसेरा पार्क में दो मई से 14 जून तक थिएटर वर्कशॉप का आयोजन कर रहे हैं। इसमें सीटें सीमित हैं। प्रवेश पहले आओ, पहले के आधार पर दिया जाएगा। इससे जुड़ी जानकारी http://dda.gov.in/ पर जाकर प्राप्त कर सकते हैं।